Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-I (Gen./Sub.)
Date:- 12-11-2020
Lecture-No.-17

Next-class.

Perceptual organisation

B. B: केन्द्रिय नियम (Central Principles):- प्राणी की व्यक्तिगत विशेषताओं पर निर्भर करते हैं। यह नियम निम्नलिखित हैं।

(i) अर्थ का नियम (Principle of Learning):- व्यक्ति जिन उद्दीपकों का अर्थ समझता है उसे निश्चित पैटर्न में संगठित करके देखता है। जैसा जैसा की नीचे की पंक्ति को व्यक्ति शब्दों के अर्थ के अनुसार तुरन्त अलग अलग करके एक निश्चित पैटर्न के रूप में संगठित कर प्रत्यक्षण कर लेता है:-

THE MANGOESTOMARKET

(ii) सेट का नियम (Principle of Set):- जब किसी उद्दीपक को व्यक्ति देखता है, तो उसके मन में एक विशेष प्रकार की मानसिक वृत्ति (Mental Set) उत्पन्न हो जाती है, जिसके कारण वह उद्दीपकों को संगठित कर एक निश्चित पैटर्न के रूप में देखता है। वृत्ति (Set) उत्पन्न हो जाने से यदि उद्दीपक में कुछ परिवर्तन भी हो जाता है, तो व्यक्ति उसे पहले के ही रूप में देखता है।

(iii) अर्थगर्भता का नियम (Law of Pregance or Pragnanz):- इस नियम के अनुसार आकृति

की अर्थगर्भिता पर ही प्रात्यक्षिक संगठन निर्भर करता है। प्रस्तुत किए गए उद्दीपक में कितनी अर्थगर्भिता पायी जाती है अर्थात उसके कितने अर्थ अधिक अर्थों का अनुभव हमें होता है, प्रत्यक्षीकरण को प्रभावित करता है।

(IV) अभिप्रेरणात्मक नियम :- (Motivational Principles) :- अनेक प्रयोगों से यह स्पष्ट हुआ है कि प्रत्यक्षणात्मक संगठन पर व्यक्ति के अभिप्रेरकों, जैसे :- भूख, प्यास, तथा व्यक्ति के मूल्यों आदि का तीव्र प्रभाव पड़ता है। इन कारकों से व्यक्ति का प्रत्यक्षणात्मक संगठन के नियमों का, जहाँ महत्वपूर्ण स्थान है, वहीं इनकी आलोचना भी हुई है।

End.

Scanned with CamScanner